हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में दिनांक 15 सितंबर 2021 को 22 वीं अनुसंधान सलाहकार समूह (Research Advisory Group-RAG) की बैठक का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में **दिनांक 15 सितंबर, 2021 को 22 वीं अनुसंधान सलाहकार समूह (Research Advisory Group-RAG)** की बैठक का आयोजन संस्थान के सभागार में दोनों माध्यमों (आनॅलाइन एवं आफलॅाइन) द्वारा किया गया, जिसमें महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून द्वारा मनोनीत विभिन्न विषय-विशेषज्ञों जैसे हिमाचल प्रदेश और जम्मू व कश्मीर एंव लेह लदाख केन्द्र शासित प्रदेशों के वन विभाग के अधिकारियों, अन्य शोध संस्थानों व विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों व वैज्ञानिकों, वन आधारित उद्योगो के प्रतिनिधियों, प्रगतिशील किसानों तथा गैर–सरकारी संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया । इसके अतिरिक्त महानिदेशक, भा०वा०अ० एवं शि०प०, देहरादून के प्रतिनिधि **डॉ० विमल कोठियाल, सहायक महानिदेशक, अनुसंधान परियोजना, वीडियो कॉन्फ्रेसिंग** के माध्यम से बैठक के दौरान उपस्थित रहे ।

बैठक के प्रारम्भ में **डॉ० संदीप शर्मा, वैज्ञानिक-जी, समूह समन्वयक अनुसंधान व अनुसंधान सलाहकार समूह** के **सदस्य सचिव** ने **अनुसंधान सलाहकार समूह** के सभी उपस्थित माननीय सदस्यों का हार्दिक

अभिनन्दन किया । शुरूआत में उन्होंने बताया कि संस्थान स्तर का यह **अनुसंधान सलाहकार समूह** उच्च गुणवत्ता वाले वानिकी अनुसंधान के लिए दिशा-निर्देश प्रदान करता है । उन्होंने माननीय सदस्यों और अन्य प्रतिभागियों को अनुसंधान सलाहकार समूह की संरचना/गठन, भूमिका और इसके कार्यों के बारे में विस्तार से अवगत करवाया । तत्पश्चात समूह समन्वयक अनुसंधान ने माननीय सदस्यों को संस्थान, इसके विजन, मिशन और क्षेत्राधिकार के क्षेत्र, पिछली उपलब्धियों, चल रही अनुसंधान गतिविधियों व विस्तार गतिविधियों जैसे किसान गोष्ठी, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रम, मासिक सेमीनार और भविष्य की योजनाओं के बारे में प्रस्तुतिकरण के माध्यम से संक्षेप में अवगत कराया । उन्होंने वर्तमान में संस्थान द्वारा सिंधु नदी बेसिन की पांच प्रमुख नदियों - ब्यास, चिनाब, झेलम, रावी और सतलुज के पुनः उद्धार एवं कायाकल्प के लिए विस्तृत परियोजना रिर्पोट तैयार करने की एक महत्वपूर्ण परियोजना को कार्यान्वित करने के बारे में भी बताया ।

तत्पश्चात, **डॉ० एस० एस० सामंत, निदेशक** हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला व **अनुसंधान सलाहकार समूह** के **अध्यक्ष** ने सभी का स्वागत कर बैठक की महत्ता व आयोजित किए जाने के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए सदस्यों से अनुरोध किया कि वह बैठक के दौरान प्रस्तुत की जाने वाली परियोजनाओं की गुणवत्ता एवं उन्हें अधिक प्रभावशाली एवं उपयोगी बनाने हेतु अपने सुझाव व टिप्पणी दें । उन्होंने आशा व्यक्त की कि विषय-विशेषज्ञों द्वारा दिए गए सुझाव एवं संशोधनों को प्रस्तावित शोध-परियोजनाओं में

समाहित करने से उनकी व्यवहारिकता तथा उपयोगिता अवश्य ही बढ़ जाएगी । उन्होंने सूचित किया कि इस वर्ष बैठक में संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा **पांच नयी परियोजनाएं** सदस्यों के समक्ष उनकी अनुसंशा हेतु प्रस्तुत की जानी हैं जो कि बाद में **भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून** में आयोजित होने वाली **अनुसंधान नीति समिति** की बैठक में पारित / स्वीकृत किए जाने हेतु प्रस्तुत की जाएंगी ।

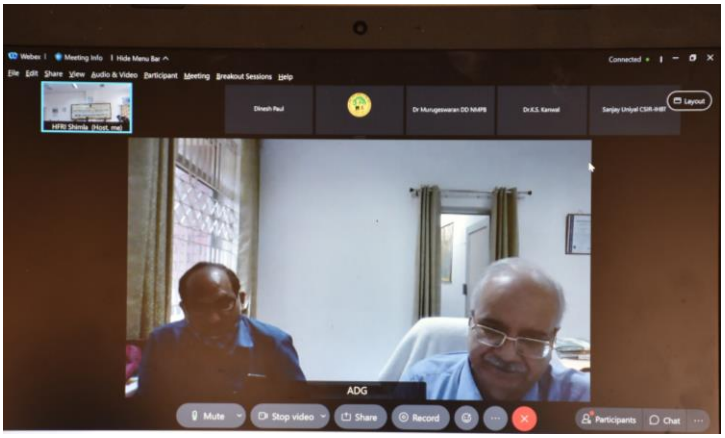

इसके पश्चात **डॉ० विमल कोठियाल, सहायक महानिदेशक, अनुसंधान परियोजना, आईसीएफआरई,** देहरादून ने अनुसंधान सलाहकार समूह के सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक अभिनन्दन कर सभी से बैठक के दौरान नई प्रस्तुत की जा रही अनुसंधान परियोजनाओं को आलोचनात्मक तरीके से समीक्षा करने हेतु व उनके योग्यता के आधार पर स्कोर देने के लिए आग्रह किया । साथ ही सदस्यों के बहुमूल्य सूझाव हेतु आग्रह किया ताकि उच्च गुणवत्ता वाली परियोजनाओं की सिफारिश की जा सके, जो कि आगे मुख्यालय में आयोजित होने वाली **अनुसंधान नीति समिति (Research Policy Committee-RPC)** की वार्षिक बैठक के दौरान स्वीकृति हेतु प्रस्तुत की जाएंगी ।

सत्र-I में संस्थान के वैज्ञानिकों डॉ० अश्वनी तपवाल, वैज्ञानिक-एफ, डॉ० पवन कुमार, वैज्ञानिक-ई, वन सरंक्षण प्रभाग, डॉ० बालकृष्ण तिवारी, वैज्ञानिक-बी एंव श्री प्रवीण रावत वैज्ञानिक-बी, अनुवांशिकी एंव वृक्ष सुधार प्रभाग ने नई परियोजनाओं को विस्तार से पावर पॉईंट प्रस्तुति के माध्यम से प्रस्तुत किया

। प्रत्येक प्रस्तुति के बाद इन परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई तथा माननीय सदस्यों ने इन परियोजनाओं को और उच्च गुणवत्ता वाली परियोजनाएं बनाने के लिए बहुमूल्य सूझाव दिये ।

सत्र-II में संस्थान के विभिन्न अनुसंधान प्रभागों में कार्यरत वैज्ञानिकों ने संस्थान में चलाई जा रही विभिन्न प्लान परियोजनाओं के अन्तर्गत की गई प्रगति के बारे में संक्षेप में बताया एवम एक पलान परियोजना में कुछ बदलाव करने के लिए स्वीकृति एवं अनुसंशा हेतु भी प्रस्तुत किया । जिस पर सभी सदस्यों ने अपनी सहमति व्यक्त की ।

हर शोध परियोजना प्रस्तुति पश्चात विचार विमर्श हुआ और सभी विशेषज्ञों ने अपने-अपने सुझाव दिये । अनुसंधान सलाहकर समूह ने कार्य में मजबूती लाने हेतु विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों तथा विभिन्न विभागों के साथ मिलकर काम करने तथा शोध कार्य को प्रयोगशाला से किसानों तक पहुंचाने का

सुझाव दिया । निदेशक महोदय ने बताया कि आप सभी के सुझाव समाहित कर परियोजनाओं को अनुमोदन हेतु भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून भेजा जाएगा और कहा कि संस्थान सभी को साथ में लेकर काम करेगा । सदस्यों ने बैठक को सुनियोजित ढंग से आयोजित करने के लिए संस्थान की सराहना करते हुए बधाई दी ।

अन्त में डॉ० संदीप शर्मा, समूह समन्वयक अनुसंधान व उक्त बैठक के **सदस्य सचिव** ने **धन्यवाद प्रस्ताव** पारित किया ।

*****

अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक की झलकियाँ

WELCOME
TO
HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE
(Indian Council of Forestry Research & Education)
Conifer Campus, Panthaghati, Shimla-171 009 (H.P.)
22nd RESEARCH ADVISORY GROUP MEETING
15th September 2021

WELCOME
HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE
22nd RESEARCH ADVISORY GROUP MEETING

Dr. S. S. Samant

Dr. Sanjeev Thakur

Prof.T.N.Lakhanpal

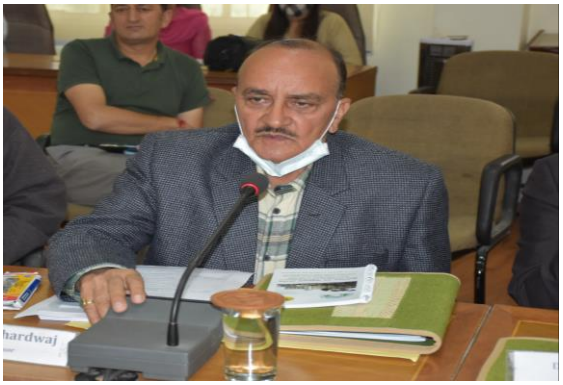

Dr. Mohar Singh Thakur
Principal Scientist, NBPGR

Dr. Lal Singh

Sh. Rajesh Kumar Guleria

Dr. S. S. Samant
CHAIRMAN
Dr. Sanjay Sood

Dr. D. P. Sharma

ADG
Dr Murugeswaran DD NMPB
HFRI Shimla (Host, me)
Sanjay Uniyal CSIR-IHBT
Mute
Stop video
Share
Record
Participants
Chat

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान
22nd RESEARCH ADVISORY GROUP (RAG) MEETING
15th September 2021
Venue:
Conference Hall, HFRI, Shimla
ORGANIZED BY
HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE (HFRI)

Media Coverage

दैनिक भास्कर हिमाचल 16-09-2021

एचएफआरआई में अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक, वैज्ञानिकों ने दिए सुझाव

शिमला| हिमालय वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा अनुसंधान सलाहकार समूह की 22वीं वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. एसएस सामंत ने की। जबकि अतिरिक्त मुख्य अरण्यपाल, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण डॉ. संजय सूद, डीन वानिकी बागवानी एवं वानिकी विवि नौणी डॉ. संजीव ठाकुर, डॉ. विमल कोठियाल, प्रो. अरविंद कुमार भट्ट, आसफ मोहमद, डॉ. मुरगेश्वरन, डॉ. लाल सिंह, डॉ. मीना सूद, डॉ. डीपी शर्मा, प्रो. टीएन लखनपाल, प्रगतिशील किसानों, गैर सरकारी संस्थानो के सदस्य सहित 25 विशेषज्ञों ने बैठक में भाग लिया। डॉ. संदीप शर्मा ने अनुसंधान संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों, सलाहकार समूह बैठक के गठन के उद्देशयों के बारे में बताया।

पंजाब केसरी CHANDIGARH THURSDAY 16.9.2021

वानिकी क्षेत्र से संबंधित परियोजनाओं की व्यावहारिकता का किया गया आकलन

एच.एफ.आर.आई. में आयोजित 22वीं बैठक में कई वैज्ञानिकों ने दी प्रस्तुति

शिमला, 15 सितम्बर (ब्यूरो): हिमालय वन अनुसंधान संस्थान (एच.एफ.आर.आई.) द्वारा अनुसंधान सलाहकार समूह की 22वीं वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया। वानिकी क्षेत्र से संबंधित विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं की कार्य नीति एवं क्रियान्वयन की व्यावहारिकता का आकलन करने के लिए एच.एफ.आर.आई. हर साल इस तरह के आयोजन करता है। इसमें विभिन्न प्रदेशों से आए वैज्ञानिकों ने प्रस्तुति दी। लद्दाख के वैज्ञानिक डा. पवन कुमार ने पॉपलर और विलो पर कीटों का प्रकोप और उनका पर्यावरण हितैषी प्रबंधन विषय पर प्रस्तुति दी। वैज्ञानिक डा. प्रवीण रावत ने उत्तर पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में उच्च तेल सामग्री वाले ओलिया फेरुगिनिया के बेहतर जीनोटाइप की पहचान और इसकी प्रसार तकनीकों का विकास पर शोध परियोजना प्रस्तुत की। प्रत्येक शोध परियोजना प्रस्तुति के पश्चात विचार-विमर्श किया गया और सभी विशेषज्ञों ने अपने-अपने सुझाव दिए।

अनुसंधान सलाहकार समूह ने कार्य में मजबूती लाने के लिए विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों तथा विभिन्न विभागों के साथ मिलकर काम करने तथा शोध कार्य को प्रयोगशाला से किसानों तक पहुंचाने का सुझाव दिया। निदेशक ने बताया कि आप सभी के सुझाव समाहित कर परियोजनाओं को अनुमोदन के लिए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून भेजा जाएगा और कहा कि संस्थान सभी को साथ में लेकर काम करेगा।

शिमला : हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते प्रतिभागी। (पी.स.)

अनुसंधान सलाहकार समूह के पास प्रस्तुत किए पांच शोध प्रोजेक्ट

शिमला में हिमालय वन अनुसंधान संस्थान में हुई वार्षिक बैठक

राज्य ब्यूरो शिमला : हिमालय वन अनुसंधान संस्थान (एचएफआरआई), शिमला की अनुसंधान सलाहकार समूह की वार्षिक बैठक में विज्ञानियों ने कुल पांच शोध प्रोजेक्ट के मसौदे प्रस्तुत किए। इन पर गहन चर्चा की गई। अब ये अनुमोदन के लिए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून भेजा जाएगा। ये प्रोजेक्ट ढाई करोड़ की लागत के होंगे। मंजूरी मिलने के बाद इन पर अगले साल अप्रैल से कार्य आरंभ होगा। बैठक में वानिकी क्षेत्र संबंधित विविध अनुसंधान परियोजनाओं की कार्य नीति एवं क्रियान्वयन की व्यावहारिकता का आकलन किया जाता है। इसकी अध्यक्षता एचएफआरआइ के निदेशक डा. एसएस सामंत ने की।

कौन- कौन से हैं प्रोजेक्ट

बैठक में डा. अश्वनी तपवाल, विज्ञानी ने जुनिपर पालीकार्पस के माइकोरिजल संबंध और नर्सरी एवं क्षेत्र की स्थितियों के तहत इसके प्रदर्शन पर माइकोरिजल इनोक्यूलेशन के प्रभाव पर अध्ययन पर शोध प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। विज्ञानी डा. पवन कुमार ने लद्दाख में पोपलर और विलो पर कीटों का प्रकोप और उनका पर्यावरण हितैषी प्रबंधन पर प्रोजेक्ट पेश किया। डा. बालकृषण तिवारी ने करू एवं निहानी की उत्कृष्ट किस्म विकास तथा उत्तर पश्चिमी हिमालय में पाइनस जेरार्डियाना (न्योजा) आबादी में शंकु प्रेरण और बीज उपज के विनियमन और प्रबंधन पर अध्ययन परियोजनाओं को विशेषज्ञों के सम्मुख प्रस्तुत किया। डा. प्रवीण रावत ने उत्तर पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में उच्च तेल सामग्री वाले ओलिया फेरुगिनिया के बेहतर जीनोटाइप की पहचान और इसके प्रसार तकनीक का विकास पर शोध प्रस्तुत किया। हर शोध परियोजना प्रस्तुति पश्चात विचार विमर्श हुआ और सभी विशेषज्ञों ने अपने अपने सुझाव दिए। अनुसंधान सलाहकार समूह ने कार्य में मजबूती लाने के लिए विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों तथा विभिन्न विभागों के साथ मिलकर काम करने, शोध कार्य को प्रयोगशाला से किसानों तक पहुंचाने का सुझाव दिया। डा. संदीप शर्मा समन्वयक अनुसंधान ने निदेशक एवं अध्यक्ष अनुसंधान सलाहकार समूह, बैठक में योगदान के लिए सभी का आभार जताया।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य अरण्यपाल, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण हिमाचल प्रदेश डा. संजय सूद, नौणी विश्वविद्यालय स. प्रा. संजीव ठाकुर, डा. विमल कोठियाल, अतिरिक्त महानिदेशक (अनुसंधान वि योजना), भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून, प्रो. अरविंद कुमार भट्ट, आसफ मोहम्मद निदेशक व अनुसंधान संस्थान जम्मू, डा. मुरगेश्वरन निदेशक राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, नई दिल्ली, डा. लाल सिंह, डा. मीना सूद, डा. डी पी शर्मा, प्रो. टीएन लखनपाल, प्रगतिशील किसानों, गैर सरकारी संस्थानों के सदस्यों सहित 25 से अधिक विशेषज्ञों ने सलाहकार समूह बैठक में भाग लिया।